

प्रभारी  
राजपत्र वितरण एक

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARYभाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

P.O. — 500

KM — 30

Del H — 250

CPB — 220

सं. 318]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 28, 2004/श्रावण 6, 1926

No. 318]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 28, 2004/SRAVANA 6, 1926

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 2004

सं. 80/2004-सीमाशुल्क

पुरा किया

प्रभारी

रा० वि० एकक

सा.का.नि. 484(अ).—अभिहित प्राधिकारी, चीन जनवादी गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात (सं0अ0अ0) (जिन्हें इसमें इसके पश्चात “संबद्ध देश” कहा गया है) में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यातित, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष सं0 6907 या 6908 के अंतर्गत आने वाले, विट्रीफाइड औद्योगिक टाइलों से भिन्न विट्रीफाइड और पोर्सिलेन टाइलों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात “संबद्ध माल” कहा गया है) के आयात के मामले में, अपने अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना सं0 37/2001-डीजीएडी तारीख 4 फरवरी, 2003 जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 5 फरवरी, 2003 में प्रकाशित हुई, में इस निर्णय पर पहुंचे थे कि —

।क। चीन जनवादी गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात (सं0अ0अ0) से संबद्ध माल का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है ;

।ख। भारतीय उद्योग को तात्त्विक क्षति हुई थी ;

।ग। यह क्षति चीन जनवादी गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात (सं0अ0अ0) से हुए पाटित आयातों के कारण हुई थी; और

तदनुसार, अभिहित प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल के, अथवा वहां से निर्यातित विट्रीफाइड और पोर्सिलेन टाइलों के सभी आयातों पर निश्चायत्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी;

और अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त अंतिम निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने, सा0का0नि0 376 (अ), तारीख 1 मई, 2003 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 1 मई, 2003 में प्रकाशित, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं0 73/2003-सीमाशुल्क, तारीख 1 मई, 2003 द्वारा विट्रीफाइड और पोर्सिलेन टाइलों पर, प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया था ;

और जबकि विनिर्माता मैसर्स नॉन हाई सानयूआन यूलीयॉन कंस्ट्रक्शन सिरामिक कं0 लि0, चीन जनवादी गणराज्य के साथ निर्यातक मै0 प्रेस्टीज जनरल ट्रेडिंग दुबई, यू0ए0ई0 ने अपने निर्यातों के संदर्भ में सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम 1995 के नियम 22 के अंतर्गत समीक्षा का आग्रह किया था । और अभिहित प्राधिकारी ने अपनी अधिसूचना सं0 15/2/2003-डीजीएडी, तारीख 23 मई, 2003 जो कि भारत के राजपत्र असाधारण, भाग I, उपखंड (i) तारीख 24 मई, 2003 में प्रकाशित की गई, के अंतर्गत यह सिफारिश की थी कि मैसर्स नॉन हाई सानयूआन यूलीयॉन कंस्ट्रक्शन सिरामिक कं0 लि0, चीन जनवादी गणराज्य के साथ निर्यातक मै0 प्रेस्टीज जनरल ट्रेडिंग दुबई, यू0ए0ई0 के द्वारा निर्यात किए गए संबद्ध माल का अंतिम मूल्यांकन किया जायेगा;

और अभिहित प्राधिकारी के उपरोक्त सिफारिश के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने अधिसूचना सं० 98/2003-सीमाशुल्क, तारीख 1 जुलाई, 2003, द्वारा जो कि भारत के राजपत्र असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) सा०का०नि० 521 (अ) तारीख 1 जुलाई, 2003 में प्रकाशित की गई, यह निर्देश दिया था कि उपरोक्त समीक्षा की समाप्ति तक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध माल जिसका निर्यात मैसर्स नॉन हाई सानयूआन यूलीयॉन कंस्ट्रक्शन सिरामिक कं० लि०, चीन जनवादी गणराज्य के साथ निर्यातक मै० प्रेस्टीज जनरल ट्रेडिंग दुबई, यू०ए०ई० द्वारा किया गया हो उसका भारत में आयात होने पर अनंतिम मूल्यांकन किया जायेगा;

और अभिहित प्राधिकारी ने उपरोक्त समीक्षा सं० 15/2/2003-डीजीएडी तारीख 30 जून, 2004 जो कि भारत के राजपत्र असाधारण, भाग I, उपखंड (i) तारीख 30 जून, 2004 में प्रकाशित की गई में अपने अंतिम निष्कर्ष में इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि मैसर्स नन्हाई शग्यूआंन आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरामिक कं० लि०, चीन जनवादी गणराज्य (अब मै० फोशान चांगचेंग आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरामिक कं० लि०, चीन जनवादी गणराज्य) के साथ निर्यातक मै० प्रेस्टीज जनरल ट्रेडिंग दुबई, यू०ए०ई० द्वारा संबद्ध माल का भारत में निर्यात उनकी सामान्य मूल्य से अधिक पर किया गया है और अभिहित प्राधिकारी ने मैसर्स नन्हाई शग्यूआंन आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरामिक कं० लि०, चीन जनवादी गणराज्य (अब मै० फोशान चांगचेंग आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरामिक कं० लि०, चीन जनवादी गणराज्य) के साथ निर्यातक मै० प्रेस्टीज जनरल ट्रेडिंग दुबई, यू०ए०ई० द्वारा निर्यातित संबद्ध माल पर कोई प्रतिपाटन शुल्क नहीं लगाने की सिफारिश की है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) और (5) के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 18, 20 और 22 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के उपरोक्त अंतिम निष्कर्ष के आधार पर, अधिसूचना सं० 73/2003-सीमाशुल्क तारीख 1 मई, 2003, भारत के राजपत्र असाधारण, भाग 3, उपखंड (i) सा०का०नि० 376 (अ) तारीख 1 मई, 2003, में संशोधन करती है, अर्थात:-

उपरोक्त अधिसूचना सं० में, “स्पष्टीकरण” से पहले निम्नलिखित परंतुक रखा जाये, अर्थात:-

“परंतु मैसर्स नन्हाई शग्यूआंन आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरामिक कं० लि०, चीन जनवादी गणराज्य (अब मै० फोशान चांगचेंग आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरामिक कं० लि०, चीन जनवादी गणराज्य) द्वारा उत्पादित और निर्यातक मै० प्रेस्टीज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यू०ए०ई०, द्वारा निर्यात किए गए सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले, संबद्ध माल पर कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं किया जायेगा”

2.. इस अधिसूचना के अधीन किया गया संशोधन अनंतिम निर्धारण प्रभावी होने की तारीख अर्थात 1 जुलाई, 2003 से प्रभावी होगा।

[फा. सं. 354/214/2001-टी.आर.यू. (भाग 1)]

वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

टिप्पण :— मूल अधिसूचना सं० 73/2003-सीमाशुल्क तारीख 1 मई, 2003, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), में सा०का०नि० 376 (अ), तारीख 1 मई, 2003 द्वारा प्रकाशित हुई थी।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 28th July, 2004

No. 80/2004-CUSTOMS

**G.S.R. 484(E).**— Whereas in the matter of import of vitrified and porcelain tiles, other than vitrified industrial tiles (hereinafter referred to as “the subject goods”), falling under headings 6907 or 6908 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from, the People’s Republic of China and United Arab Emirates (UAE) (hereinafter referred to as “the subject countries”) and imported into India, the designated authority *vide* its final findings, No. 37/1/2001-DGAD, dated the 4th February, 2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 5th February, 2003, had come to the conclusion that—

- (a) Vitrified/Porcelain Tiles have been exported to India from UAE and the People’s Republic of China below its normal value resulting in dumping;
- (b) the Indian industry had suffered material injury;
- (c) the injury had been caused cumulatively by the imports from the subject countries; and had considered it necessary to impose definitive anti-dumping duty, on all imports of vitrified/porcelain tiles from the subject countries in order to remove the injury to the domestic industry;

And whereas on the basis of aforesaid final findings of the designated authority, the Central Government had imposed final anti-dumping duty *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 1st May, 2003 [G.S.R. 376(E), dated the 1st May, 2003];

And whereas on the basis of a request made by M/s Nanhai Shanyuan Oulian Construction Ceramics Co. Ltd., China, producer with M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE as exporter for review in terms of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in respect of exports made by them, the designated authority, *vide* new shipper review notification No.15/2/2003-DGAD, dated the 23rd May, 2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 24th May, 2003, has recommended provisional assessment of all exports of the subject goods made by the said M/s Nanhai Shanyuan Oulian Construction Ceramics Co. Ltd., China, producer with M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE as exporter, till the completion of the review by the designated authority;

And whereas on the basis of aforesaid recommendation of the designated authority, the Central Government has ordered, *vide* notification No. 98/2003-Customs, dated the 1st July, 2003, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 1st July, 2003 [G.S.R. 521(E), dated the 1st July, 2003], that pending the outcome of the said review by the designated authority, subject goods falling under chapter 69 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, produced by M/s Nanhai Shanyuan Oulian Construction Ceramics Co. Ltd., China, and exported by M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE, when imported into India, shall be subjected to provisional assessment till the review is completed;

And whereas the designated authority *vide* its final findings, No. 15/2/2003-DGAD, dated the 30th June, 2004, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 30th June, 2004, read with the corrigendum No. 15/2/2003-DGAD, dated the 15th July, 2004, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 15th July, 2004, has

come to the conclusion that export price of vitrified/ porcelain tiles exported to India produced by M/s. Nanhai Shagyuan Oulian Construction Ceramic Co. Ltd., China PR (now known as M/s. Foshan Changcheng Oulian Construction Ceramic Ltd., China PR) and exported from M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE is above its normal value during the period of investigation and recommended that no anti dumping duty be imposed on imports of vitrified/ porcelain tiles falling under chapter 69 of the said Customs Tariff Act produced by M/s. Nanhai Shagyuan Oulian Construction Ceramic Co. Ltd., China PR (now known as M/s. Foshan Changcheng Oulian Construction Ceramic Ltd., China PR) and exported from M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (5) of section 9A of the said Customs Tariff Act and read with rules 18, 20 and 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, on the basis of the aforesaid final findings of the designated authority hereby makes the following amendments in the notification No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R. 376(E), dated the 1st May, 2003, namely:-

In the said notification, before the *Explanation*, the following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided that no anti-dumping duty shall be imposed on the imports into India of subject goods falling under chapter 69 of the First Schedule to the said Customs tariff Act, produced by M/s. Nanhai Shagyuan Oulian Construction Ceramic Co. Ltd., China PR (now known as M/s. Foshan Changcheng Oulian Construction Ceramic Ltd., China PR) and exported by M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE.”.

2. The amendments under this notification shall be effective from the date of issue of the notification ordering provisional assessment, that is, the 1st July, 2003.

[F. No. 354/214/2001-TRU (Part I)]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

Note:—The principal notification No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, was published in the Gazette of India *vide* number G.S.R. 376(E), dated the 1st May, 2003].

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 2004

सं. 81/2004-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 485(अ).— केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटन शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 18, 20 और 22 और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की धारा 9क की उपधारा (5) के साथ पठित उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 1 जुलाई, 2003 (सा0का0नि0 521 (अ), तारीख 1 जुलाई, 2003) में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 98/2003-सीमाशुल्क, तारीख 1 जुलाई, 2003 को उन बातों के सिवाय जो ऐसे विखंडन से पूर्व की गई हैं या जिन्हें करने का लोप किया गया है, विखंडित करती है।

[फा. सं. 354/214/2001-टी.आर.यू. (भाग 1)]

वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th July, 2004

**No. 81/2004-CUSTOMS**

**G.S.R. 485(E).**— In exercise of powers conferred by sub-section (5) read with sub-section (1) of section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and read with rules 18, 20 and 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.98/2003-Customs, dated the 1st July, 2003, [G.S.R. 521 (E), dated the 1st July, 2003], published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 1st July, 2003, except as respects things done or omitted to be done before such rescission.

[F. No. 354/214/2001 -TRU (Part I)]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

232195/04-2